झारखण्ड सरकार

झारखण्ड ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन समिति
स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखण्ड
नामकुम, राँची।
फोन न0– 0651–2261000,2261856–2261002 मेल आई0डी0–nrhmjharkhand3@gmail.com

प्रेस विज्ञप्ति

डायरिया को जड़ से मिटाने के लिए रोटावायरस बड़ी पहल : मुख्यमंत्री रघुवर दास

रांचीः 'भले ही हम रूपये पैसे को पूंजी कहते हों लेकिन मानव संसाधन से बड़ी कोई पूंजी है। मुझे अफसोस होता है कि हमारे सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चे अब भी डायरिया से मर जाते हैं। डायरिया को जड़ से समाप्त करने के लिए रोटावायरस की शुरूआत बहुत बड़ी पहल है।' उक्त बातें मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कही। मुख्यमंत्री शनिवार 7 अप्रैल 2018 को रिम्स ऑडिटोरियम में हरातु नामकुम निवासी अनुप भुतकुमार के बच्चे को रोटावायरस वैक्सीन की खुराक पिलाने के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होने कहा कि नियमित टीकाकरण कार्यक्रम में रोटावायरस को भी जोड़ दिया गया है, जिससे विश्व स्वास्थ्य दिवस के दिन झारखंड देश के अग्रिम राज्यों में शामिल हो गया है। श्री दास ने कहा कि वैज्ञानिक लगातार शोध कर बीमारियों की नयी दवा खोजते हैं और इन्हीं प्रयासों में शामिल है रोटावायरस वैक्सिन की खोज, जो झारखंड में बच्चों को आज से दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कहा कि हम सभी को राज्य के हर एक गरीब परिवार के प्रति जिम्मेवार बनना होगा। सरकार, स्वास्थ्य क्षेत्र के पदाधिकारी और अन्य लोग इस काम में लगे हैं पर स्वास्थ्य सुविधाओं को जन जन तक पहुंचाने के काम को एक जन आंदोलन का रूप देना होगा। उन्होंने कहा कि राज्य में कुपोषण एक गंभीर समस्या है जिसे दूर करने के लिए सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। श्री दास ने बताया कि न्युमोनिया, कुपोषण के बाद डायरिया भी एक गंभीर बीमारी बन गयी है जिसकी समाप्ति में रोटावायरस महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

मुख्यमंत्री ने सहिया बहनों से रोटावायरस टीके का लाभ जन जन तक पहुंचाने का अनुरोध करते हुए कहा कि हमें इस बात का गंभीर प्रयास करना होगा कि हमारे राज्य के किसी भी गांव में किसी बच्चे की मौत डायरिया के कारण नहीं हो। उन्होंने कहा कि हमारे देश में लगभग 78 हजार बच्चे

डायरिया से मर जाते हैं वहीं झारखंड में यह आंकड़ा 2500 है। जिसे रोकने का हर संभव प्रयास करना होगा।

उन्होंने कहा कि मुझे इस बात का अफसोस है कि राजनीतिक अस्थिरता के कारण बीते सालों में कोई ठोस पहल नहीं की जा सकी है। जिस कारण हमारा आदिवासी समाज शिक्षा से कोसों दूर है। उनके बीच अंधविश्वास आज भी व्याप्त है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें जल्द से जल्द झारखंड को शिक्षित राज्यों की श्रेणी में लाना है। झारखंड को सुखी और स्वच्छ भी बनाना है। इसके लिए सभी को इमानदारी से अपना काम करना होगा। हम सभी को कोई न कोई ऐसा काम जरूर करना चाहिए जिससे हमारे मन को सकून मिले। हमें गांव के लोगों को ज्यादा जागरूक बनाने की जरूरत है।

स्वास्थ्य विभाग की प्रधान सचिव **निधि खरे** ने कहा कि मुख्यमंत्री का फोकस स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार में ज्यादा रहा है, जिसका परिणाम है स्वास्थ्य क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने वाले मानकों पर हमारा राज्य बेहतर काम कर रहा है। उन्होंने रोटावायरस टीका के संबंध में बताया कि झारखंड ऐसा पहला राज्य बन गया है, जहां घोल के रूप में टीका दिया जा रहा है। इस कार्यक्रम की सफलता के बाद झारखंड दुनिया भर के लिए उदाहरण बन जायेगा। वहीं इस वैक्सिन से एक साल से कम उम्र के बच्चों की होने वाली मौत में भी कमी आयेगी। उन्होंने बताया कि राज्य भर में इस कायक्रम की सफलता के लिए पिछले दो महीनों में 40 हजार सहियाओं, एएनएम, जीएनएम को प्रशिक्षण दिया गया है। उन्होंने कहा कि आज से यह वैक्सिन राज्य भर में पिलायी जाने लगेगी।

इससे पहले अभियान निदेशक, एनएचएम कृपानंद झा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के संबंध में जानकारी थी। वहीं निदेशक प्रमुख, स्वास्थ्य सेवायें डॉ सुमंत मिश्रा ने अतिथियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सुधार के क्षेत्र में विशेष ध्यान देते हैं। उन्होंने कहा कि बीते कुछ सालों में स्वास्थ्य क्षेत्र के मानकों में झारखंड में काफी सधार हुआ है। इसमें और ज्यादा सुधार के लिए विशेष रणनीति बनाकर काम करना होगा।

इस कार्यक्रम में रांची सांसद राम टहल चौधरी, कांके विधायक जीतू चरण राम, बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष आरती कुजूर, अभियान निदेशक कृपानंद झा, निदेशक प्रमुख स्वास्थ्य सेवायें डॉ सुमंत मिश्रा, रिम्स निदेशक आर. के. श्रीवास्तव, वीणा सिन्हा, पुष्पा मारिया बेक, डॉ अजीत प्रसाद, डॉ बास्की, रांची सिविल सर्जन डॉ शिव शंकर हरिजन, अकई मिंज, अजय कुमार शर्मा,

रणजीत कु वर्मा, एनएचएम के सभी कंसलटेंट, महेश कुमार, उदयन शर्मा और अन्य स्वास्थ्य कर्मचारी उपस्थित थे।

रोटावायरस वैक्सिन क्या है –

राष्ट्रीय टीकाकरण के तहत 9 जानलेवा बीमारियों, जैसे – गल घोंटू, काली खांसी, टेटनस, पोलियो, टी0बी0, खसरा, हेपेटाइटिस बी, न्यूमोनिया और मेनिनजाइटिस के विरूद्ध टीका दिया जाता है। राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम बच्चों को जानलेवा बीमारियों से बचाने और उनकी मृत्यु को रोकने के लिए प्रभावी उपाय है। रोटा वायरस का टीका इसकी अगली कड़ी है। यह टीका मुँह से दिया जाएगा। रोटावायरस टीके की कुल 3 खुराकें बच्चों को दूसरे अन्य नियत टीकों के साथ 1) माह, 2) माह एवं 3) माह आयु वर्ग के सभी बच्चों को दिया जाएगा। यह टीका सभी सरकारी स्वास्थ्य सुविधा केन्द्रों – मेडिकल कॉलेजों, शहरी दवाखानों, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों, उप केन्द्रों, नियमित टीकाकरण सत्र के दौरान तथा ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस के सत्र के दौरान निःशुल्क दिये जाएंगे। ए0एन0एम0, सहिया और आँगनबाड़ी कार्यकर्त्ता की मदद से सभी टीकाकरण सत्रों में प्रदान किया जाएगा।

सहिया सम्मेलन का आयोजन –

रोटावायरस वैक्सीन के शुभारंभ के बाद रिम्स ऑडिटोरियम में सहिया सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें प्रधान सचिव निधि खरे ने सहियाओं को पुरस्कृत किया। उन्होंने स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार के लिए कई सुझाव दिये। सहिया सम्मेलन झारखण्ड के प्रत्येक जिलों में साल में एक बार एक दिन मनाया जाता है। सहिया सम्मेलन सहिया को पहचान एवं सम्मान दिलाने का एक प्रयास है जिसमें सहियाओं की उपलब्धियों एवं अनुभव का आदान–प्रदान भी किया जाता है।

इन सहियाओं को पुरस्कृत किया गया –

मुख्यमंत्री ने वीएचएसएनसी (ग्राम स्वास्थ्य समिति) बेड़ो को उत्कृष्ट कार्य के लिए पुरस्कृत किया। इसके अलावा बेहतर काम करने वाली 42 सहियाओं को पुरस्कृत किया गया जिनमें से मांडर की विक्टोरिया कुजूर और नामकुम की मिनी केरकेट्टा को मुख्यमंत्री रघुवर दास ने पुरस्कृत किया।

नोडल ऑफिसर
आई0 ई0 सी0 कोषांग